* पर्यायवाची [7]

1. तरुवर

   जवाब : पेड़

2. बिपति

   जवाब : कष्ट

3. छिटकाय

   जवाब : तोड़ना

4. सुजान

   जवाब : सज्जन

5. सरवर

   जवाब : तालाब

6. साँचे

   जवाब : सच्चे

7. कपाल

   जवाब : दिमाग

* MCQ [7]

8. "रहिमन जिह्वा बावरी, कहि गइ सरग पताल।
   आपु तो कहि भीतर रही, जूती खात कपाल।" दोहे का भाव है-

   (A) सोच-समझकर बोलना चाहिए।

   (B) मधुर वाणी में बोलना चाहिए।

   (C) धीरे – धीरे बोलना चाहिए।

   (D) सदा सच बोलना चाहिए।

   जवाब : सोच-समझकर बोलना चाहिए।

9. "रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिये डारि । जहाँ काम आवे सुई, कहा करे तलवारि।" इस दोहे का भाव क्या है?

   (A) तलवार सुई से बड़ी होती है।

   (B) सुई का काम तलवार नहीं कर सकती।

   (C) तलवार का महत्व सुई से ज्यादा है।

   (D) हर छोटी-बड़ी चीज़ का अपना महत्व होता है।

   जवाब : हर छोटी-बड़ी चीज़ का अपना महत्व होता है।

10. रहीम किस काल के कवि हैं?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(A) रीतिकाल (B) आदिकाल (C) आधुनिक काल (D) भक्तिकाल

जवाब : D

व्याख्या : रहीमदास भक्तिकाल के कवि हैं।

11. रहीम जी का जन्म किस शताब्दी में हुआ ?

(A) 16वीं (B) 14वीं (C) 15वीं (D) 13वीं

जवाब: (A) 16वीं

12. रहीम जी ने किस भाषा में अपनी रचनाएँ लिखी हैं?

(A) ब्रजभाषा (B) खड़ीबोली (C) मराठी (D) बांग्ला

जवाब : A

व्याख्या : रहीमदास जी ने ब्रजभाषा में अपनी रचनाएँ लिखी हैं।

13. लघु का अर्थ है-

(A) बड़ा (B) छोटा (C) आदर (D) निरादर

जवाब : (B) छोटा

14. जिह्वा को क्या कहा है?

(A) भली (B) थोरी (C) बावरी (D) सरग

जवाब : (C) बावरी

*** सही जोड़ मिलाए :** [5]

15.

स्तंभ 1	स्तंभ 2
1. रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो छिटकाय । टूटे से फिर ना मिले, मिले गाँठ परि जाय ।।	A. सज्जन परहित के लिए ही संपत्ति संचित करते हैं।
2. कहि रहीम संपति सगे, बनत बहुत बहु रीत । बिपति कसौटी जे कसे, ते ही साँचे मीत।।	B. सच्चे मित्र विपत्ति या विपदा में भी साथ रहते हैं।
3. तरुवर फल नहिं खात हैं, सरवर पियहिं न पान। कहि रहीम पर काज हित, संपति सँचहि सुजान।।	C. प्रेम या रिश्तों को सहेजकर रखना चाहिए।

जवाब : (1. → C) (2. → B) (3. → A)

*** काव्य पंक्ति समजाये :** [6]

16. “रहिमन बिपदाहू भली, जो थोरे दिन होय ।
हित अनहित या जगत में, जानि परत सब कोय ।।

जवाब : रहीमदास का मानना है कि थोड़े दिन की विपदा भी भली होती है जो हमें यह बता देती है कि संसार में कौन हमारा हितैषी है और कौन अहितैषी अर्थात कौन हमारा मुश्किल में साथ देने वाला है और कौन नहीं।

17. “रहिमन जिह्वा बावरी, कहि गइ सरग पताल।
आपु तो कहि भीतर रही, जूती खात कपाल ।”

जवाब : रहीमदास का कहना है कि हमारी जीभ बिलकुल बावरी अर्थात पागल जैसी होती है । यह कई बार ऐसा कुछ बोल देती है कि दिमाग को जूते खाने पड़ते हैं अर्थात मनुष्य को पछताना पड़ता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

* **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए (2 Mark)** **[12]**

18. रहीम ने सुई और तलवार के उदाहरण किस संदर्भ में दिए हैं?

जवाब : रहीमदास का मानना है कि हमें प्रत्येक वस्तु को या मनुष्य को समान महत्व देना चाहिए। क्योंकि एक का स्थान दूसरा नहीं ले सकता जैसे सुई कपड़े सिलने के काम आती है और तलवार युद्ध में। इन दोनों का प्रयोग एक-दूसरे के स्थान पर नहीं किया जा सकता।

19. प्रकृति हमें क्या सीख देती है? रहीमदास के दोहे के आधार पर बताइए ।

जवाब : प्रकृति हमें परोपकार करने की सीख देती हैं जैसे – वृक्ष अपने फल नहीं खाते, सरोवर अपना जल नहीं पीते, ऐसे ही हमें भी अपना जीवन दूसरों की सहायता करके जीना चाहिए।

20. प्रेम रूपी धागे को तोड़ना क्यों नहीं चाहिए?

जवाब : प्रेम रूपी धागे को तोड़ना नहीं चाहिए क्योंकि यदि संबंधों में प्रेम रूपी धागा एक बार टूट जाता है तो मन में गाँठ बन जाती है अर्थात संबंध ठीक हो जाने पर भी मन-मुटाव रह ही जाता है।

21. हमारे जीवन में पानी का अत्यधिक महत्व है क्यों और कैसे?

जवाब : हमारे जीवन में पानी का बहुत महत्व है। इसे बनाए रखना चाहिए। यदि पानी न हो तो मोती का कोई महत्व न रहेगा। पानी अर्थात चमक के बिना मोती बेकार है, पानी अर्थात सम्मान के बिना मनुष्य जीवन व्यर्थ है और जल के बिना आटे की रोटी नहीं बन सकती और चूना अपनी सफ़ेदी भी पानी के बिना नहीं देता ।

22. हमें अपनी जिह्वा से सोच-समझकर क्यों बोलना चाहिए?

जवाब : हमें अपनी जिह्वा से सोच-समझकर बोलना चाहिए क्योंकि यदि हम बिना सोचे-समझे कुछ बोल देते हैं तो कई बार दूसरे को बूरा लग जाता है और हमें शर्मिंदा होना पड़ता है।

23. वर्तमान में भी रहीमदास के दोहों की सार्थकता ज्यों की त्यों है- कैसे?

जवाब : वर्तमान समय में भी रहीमदास के दोहों की प्रासिंगता ज्यों की त्यों बनी है। जैसे बड़े को पाकर छोटों को मत छोड़ो, सज्जन लोगों की भाँति दूसरों की सहायता करना एवं परोपकार की भावना से प्रेरित होना चाहिए। किसी के साथ प्रेम संबंधों को तोड़ना नहीं चाहिए, विपदा के दिनों में यह पता चल जाता है कि कौन हमारा हितैषी है और कौन अहितैषी । हमें अपनी जीभ से सोच-समझकर बोलना चाहिए और सच्चा मित्र वही होता है जो विपत्ति के समय में भी काम आए।
ये सभी तथ्य वर्तमान में भी आवश्यक हैं और भविष्य में भी रहेंगे । इसीलिए रहीमदास जी के दोहों को उपयोगी माना जाता है।

* **प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए (1 Mark)** **[11]**

24. रहीमदास ने बड़े को देखकर छोटे को न छोड़ने के लिए क्यों कहा है?

जवाब : रहीमदास ने बड़े को देखकर छोटे को न छोड़ने के लिए कहा क्योंकि सभी का अपना-अपना महत्व होता है जैसे- जहाँ सुई काम आती है वहाँ तलवार काम नहीं आ सकती।

25. 'तलवार' शब्द किसका प्रतीक है?

जवाब : 'तलवार' शब्द तलवार का प्रतीक है।

26. सज्जन धन संचय किसलिए करते हैं?

जवाब : सज्जन धन संचय दूसरों की भलाई के लिए करते हैं। उन्हें अपना कोई स्वार्थ नहीं होता ।

27. रहीम ने किस धागे को न तोड़ने के लिए कहा है?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

जवाब : रहीम ने प्रेम रूपी धागे को न तोड़ने के लिए कहा है।

28. 'चून' के संदर्भ में पानी का क्या महत्व है?

जवाब : 'चून' के संदर्भ में पानी का विशेष महत्व है। 'चून' शब्द का प्रयोग चूने और आटे के लिए किया गया है। चूने में जब तक पानी न मिलाया जाए तो वह सफ़ेदी नहीं देता और आटे में जब तक पानी न मिलाया जाए तो रोटी नहीं बन सकती।

29. मनुष्य के लिए पानी की समानता किससे की गई है ? रहीम के विचारों के अनुसार बताइए ।

जवाब : मनुष्य के लिए पानी की समानता उसके सम्मान के लिए की गई है। रहीमदास ने यह माना है कि यदि मनुष्य का सम्मान एक बार चला जाए तो वैसा ही सम्मान फिर से प्राप्त नहीं किया जा सकता।

30. रहीम ने थोड़े दिनों की विपदा को 'भली' क्यों कहा है?

जवाब : रहीमदास ने थोड़े दिन की विपदा को 'भली' कहा है क्योंकि उस दौरान मनुष्य को यह पता चल जाता है कि संसार में कौन हमारा हितैषी है और कौन अहितैषी ।

31. रहीम जिह्वा को बावरी अर्थात पागल क्यों कहते हैं?

जवाब : रहीमदास ने जिह्वा को बावरी कहा है जैसे एक पागल कुछ भी कहने से पूर्व सही-गलत नहीं सोचता, वैसे ही जिह्वा भी कई बार ऐसा कुछ बोल देती है कि दिमाग को जूते खाने पड़ते हैं अर्थात मनुष्य को पछताना पड़ता है।

32. कई बार दिमाग को जिह्वा के कारण जूतियाँ क्यों खानी पड़ती है?

जवाब : जिह्वा के कारण दिमाग को जूतियाँ खानी पड़ती है, क्योंकि कई बार यह सोचे-समझे बिना बोलती है।

33. संपत्ति होने पर लोगों का व्यवहार हमारे प्रति कैसे होता है?

जवाब : हमारे पास संपत्ति होने पर लोगों का व्यवहार बहुत अच्छा रहता है। बहुत से लोग कई तरीकों से हमारे बन जाते हैं लेकिन उनकी असली पहचान संपत्ति न रहने पर होती है।

34. सच्चे मित्रों की क्या पहचान होती है?

जवाब : सच्चे मित्र वही होते हैं जो मुश्किल समय में भी हमारा साथ नहीं छोड़ते। दुख हो या सुख सदा हमारे साथ रहते हैं।

* **पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर छाँटकर लिखिए :** **[35]**

35. रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिये डारि ।
जहाँ काम आवे सुई, कहा करे तलवारि ।।

प्रश्न 1.इस दोहे का क्या भावार्थ है?
(क) छोटों का महत्व न भूलो।
(ख) बड़प्पन मत दिखाओ
(ग) बड़े और छोटे सभी का महत्व है।
(घ) अहंकार भूलो।

प्रश्न 2.लोग बड़े-छोटे के घालमेल में क्या गलती करते हैं?
(क) वे बड़ों को महत्व देते हैं।
(ख) वे छोटों को भूल जाते हैं।
(ग) वे छोटों को महत्व देते हैं।
(घ) वे बड़ों को भूल जाते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 3.‘तरवारि’ किसकी प्रतीक है?
(क) बड़े की
(ख) हिंसा की
(ग) संघर्ष की
(घ) युद्ध की

प्रश्न 4.‘सुई’ किसकी प्रतीक है?
(क) छुटपन की
(ख) छोटे लोगों की
(ग) नीच लोगों की
(घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 5.‘जहाँ काम आवै सुई कहा करे तरवारि’ का आशय है-
(क) तलवार और सुई दोनों एक समान हैं।
(ख) तलवार और सुई दोनों का अपनी-अपनी जगह महत्व है।
(ग) तलवार और सुई दोनों का एक-दूसरे की जगह उपयोग करो।
(घ) तलवार और सुई दोनों घातक हैं।

जवाब : 1.(क) छोटों का महत्व न भूलो।
2.(ख) वे छोटों को भूल जाते हैं।
3.(क) बड़े की
4.(ख) छोटे लोगों की
5.(ख) तलवार और सुई दोनों का अपनी-अपनी जगह महत्व है।

36. तरुवर फल नहिं खात हैं सरवर पियहिं न पान ।
कहि रहीम पर काज हित, संपति सँचहि सुजान ||

प्रश्न 1.इस दोहे में किस भावना को दर्शाया गया है?
(क) परोपकार
(ख) दयालुता
(ग) दरिद्रता
(घ) सहिष्णुता

प्रश्न 2.वृक्ष की विशेषता क्या होती है?
(क) वह पत्तों से घिरा रहता है।
(ख) वह कभी अपने फल नहीं खाता।
(ग) वह डालियों से झुक जाता है।
(घ) वह मीठे फल प्रदान करता है।

प्रश्न 3.सरोवर क्या ग्रहण नहीं करते?
(क) सुगंधित पदार्थ

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ख) हवा
(ग) जल
(घ) पूजा की सामग्री

प्रश्न 4.'परकाज' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
(क) दूसरा काज
(ख) दूसरों के काम आना
(ग) दूसरों के हित के लिए
(घ) नई चीजें लेना

प्रश्न 5.सज्जन पुरुषों को संपत्ति का संग्रह किसलिए करना चाहिए?
(क) अपने बुढ़ापे के लिए
(ख) दूसरों की सहायता हेतु
(ग) अमीरी का रौब जमाने के लिए
(घ) खुश रहने के लिए

जवाब : 1.(क) परोपकार
2.(ख) वह कभी अपने फल नहीं खाता।
3.(ग) जल
4.(ग) दूसरों के हित के लिए
5.(ख) दूसरों की सहायता हेतु

37. रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो छिटकाय ।
टूटे से फिर ना मिले, मिले गाँठ परि जाए ।।

प्रश्न 1.'रहिमन धागा प्रेम का' का क्या आशय है?
(क) धागा प्रेम के समान कच्चा है।
(ख) प्रेम धागे के समान कच्चा है।
(ग) प्रेम धागे के समान अटूट है।
(घ) प्रेम और धागा एक जैसे हैं।

प्रश्न 2.धागे और प्रेम में क्या समानता होती है?
(क) दोनों बाँधते हैं
(ख) दोनों तोड़ते हैं
(ग) दोनों जोड़ते हैं
(घ) दोनों टूटते हैं।

प्रश्न 3.प्रेम के धागे को तोड़ने का क्या आशय है?
(क) दुश्मनी बनाना
(ख) मित्रता तोड़ना
(ग) मित्रता करना
(घ) प्रेम भाव समाप्त करना ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 4.'टूटे से फिर ना मिले' का आशय है-
(क) प्रेम टूटने से फिर लोग नहीं मिलते।
(ख) एक बार टूटने पर प्रेमी नहीं मिल पाते।
(ग) प्रेम टूटने से फिर मन नहीं मिलते।
(घ) टूटने का अवसर बार-बार नहीं मिलता।

प्रश्न 5.'गाँठ परि जाय' का सांकेतिक अर्थ बताइए-
(क) संबंधों में खटास आना
(ख) संबंधों में दूरी आना
(ग) संबंधों में दुश्मनी होना
(घ) धागे में गाँठ पड़ जाना ।

जवाब : 1.(ग) प्रेम धागे के समान अटूट है।
2.(ग) दोनों जोड़ते हैं
3.(घ) प्रेम भाव समाप्त करना ।
4.(ग) प्रेम टूटने से फिर मन नहीं मिलते।
5.(ख) संबंधों में दूरी आना

38. रहिमन पानी राखिये, बिनु पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरै, मोती, मानुष, चून।।

प्रश्न 1.'रहिमन पानी राखिए' का आशय है-
(क) रहीम के लिए पानी रखो।
(ख) भगवान के लिए पानी की रक्षा करो।
(ग) रहीम कहते हैं- पानी बनाए रखो ।
(घ) पानी को रखा रहने दो।

प्रश्न 2.'बिन पानी सब सून' का आटे के प्रसंग में क्या अर्थ है?
(क) पानी न हो तो रोटी नहीं खाई जा सकती।
(ख) पानी न हो तो रोटी नहीं बन सकती।
(ग) पानी न हो तो रोटी में स्वाद नहीं आता ।
(घ) पानी न हो तो रोटी सूनी लगती है ।

प्रश्न 3.मोती के संदर्भ में पानी का क्या अर्थ है?
(क) तालाब
(ख) सीपी
(ग) चमक
(घ) मूल्य

प्रश्न 4.'मानुष' के संदर्भ में पानी का आशय है-
(क) मान-सम्मान
(ख) गुण
(ग) स्वभाव

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(घ) भोजन

प्रश्न 5.दोहा मनुष्य को अपने स्वभाव के लिए क्या प्रेरणा देता है?
(क) अहंकार बनाए रखो ।
(ख) स्वाभिमानी बने रहो ।
(ग) मान-सम्मान बनाए रखो।
(घ) व्यक्तित्व बचाए रखो ।

जवाब : 1.(ग) रहीम कहते हैं- पानी बनाए रखो ।
2.(ख) पानी न हो तो रोटी नहीं बन सकती।
3.(ग) चमक
4.(क) मान-सम्मान
5.(ग) मान-सम्मान बनाए रखो।

39. रहिमन बिपदाहू भली, जो थोरे दिन होय ।
हित अनहित या जगत में, जानि परत सब कोय ।।

प्रश्न 1.रहीम ने कैसी विपत्ति को सही कहा है?
(क) जो थोड़े दिन की होती है।
(ख) जो मेहमान की भाँति आती है।
(ग) जो क्षणिक होती है।
(घ) जो सदैव रहती है।

प्रश्न 2.थोड़े दिन की विपदा को 'भला' क्यों कहा गया है ?
(क) वह कुछ ही दिन परेशान करती है।
(ख) वह कोई सीख नहीं देती।
(ग) वह हमें यह बोध करवाती है कि हमारा हितैषी कौन है।
(घ) इनमें से कोई नहीं है।

प्रश्न 3.'जगत' शब्द से तात्पर्य है-
(क) संसार
(ग) भूमि
(ख) देश
(घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 4.विपत्ति हमें किसकी पहचान करवाती है?
(क) यह सज्जन की पहचान करवाती है।
(ख) यह दुर्जन की पहचान करवाती है।
(ग) यह हितैषी / अहितैषी की पहचान करवाती है।
(घ) यह मनुष्य को सबक सिखाती है।

प्रश्न 5.यह दोहा व्यावहारिक है या नीतिपरक-
(क) नीतिपरक

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ख) व्यावहारिक
(ग) व्यावहारिक एवं नीतिपरक दोनों
(घ) इनमें से कोई नहीं ।

जवाब : 1.(क) जो थोड़े दिन की होती है।
2.(ग) वह हमें यह बोध करवाती है कि हमारा हितैषी कौन है।
3.(क) संसार
4.(ग) यह हितैषी / अहितैषी की पहचान करवाती है।
5.(ख) व्यावहारिक

40. हिमन जिह्वा बावरी, कहि गइ सरग पताल ।
आपु तो कहि भीतर रही, जूती खात कपाल ।।

प्रश्न 1.'जिह्वा' शब्द से आप क्या समझते हैं?
(क) जीभ
(ख) सिर
(ग) मुँह
(घ) कपोल

प्रश्न 2.'कहि गई सरग पाताल' पंक्ति का अर्थ बताइए-
(क) स्वर्ग से पाताल तक की बातें
(ख) न जाने कहाँ-कहाँ की बातें
(ग) जो बातें दूसरों को अच्छी नहीं लगती
(घ) (क) और (ख) दोनों।

प्रश्न 3.जीभ को 'बावरी' क्यों कहा है?
(क) क्योंकि यह जीभ घूमती रहती है।
(ख) जिस प्रकार पागल सोच-समझकर नहीं बोलता वैसे ही यह जीभ भी कई बार कुछ भी बोल जाती है।
(ग) यह तेज हवा की भाँति बहने का दम रखती है।
(घ) इनमें से कोई नहीं ।

प्रश्न 4.जीभ किसके भीतर रहती है?
(क) मुँह के
(ख) दिमाग के
(ग) पाताल में
(घ) स्वर्ग में

प्रश्न 5.कई बार दिमाग को पछताना क्यों पड़ता है?
(क) क्योंकि कई बार जीभ बिना सोचे-समझे कुछ भी बोल देती है जो किसी के लिए हानिकारक होता है।
(ख) जीभ बोलने से पूर्व दिमाग को कुछ बताती नहीं है।
(ग) जीभ सदा दिमाग को मात देना चाहती है।
(घ) जीभ के कुछ भी बोल देने पर दिमाग को ताने सुनने पड़ते हैं और तब जीभ प्रसन्न होती है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

जवाब : 1.(क) जीभ
2. (घ) (क) और (ख) दोनों।
3.(ख) जिस प्रकार पागल सोच-समझकर नहीं बोलता वैसे ही यह जीभ भी कई बार कुछ भी बोल जाती है।
4.(क) मुँह के
5.(क) क्योंकि कई बार जीभ बिना सोचे-समझे कुछ भी बोल देती है जो किसी के लिए हानिकारक होता है।

41. कहि रहीम संपति सगे बनत बहुत बहु रीत ।
बिपति कसौटी जे कसे ते ही साँचे मीत । ।

प्रश्न 1.संपत्ति आने पर क्या होता है?
(क) संबंधी घर पर आने लगते हैं।
(ख) अधिक लोगों से जान-पहचान होती है।
(ग) लोग रिश्ते-नाते बनाने के अनेक ढंग निकाल लेते हैं।
(घ) लोग ईर्ष्या करते हैं।

प्रश्न 2.रिश्ते नाते कब तक साथ देते हैं?
(क) जब तक हमारे पास अधिक धन-दौलत होती है।
(ख) जब हम बलशाली होते हैं।
(ग) जब हमारा स्वभाव हँसमुख होता है।
(घ) जब हम विदेश गमन की सोचते हैं।

प्रश्न 3.सच्चे मित्र की क्या विशेषता होती है?
(क) सच्चा मित्र हर कार्य में सहयोगी होता है।
(ख) मार्गदर्शक होता है।
(ग) सदा सच बोलता है।
(घ) मुश्किल के समय भी मित्र का साथ नहीं छोड़ता ।

प्रश्न 4.सच्चे मित्र को कब परखा जा सकता है?
(क) समारोह में
(ख) सबके समक्ष
(ग) विपत्ति आने पर
(घ) हर पल

प्रश्न 5.मित्र का चुनाव सोच-समझकर करना चाहिए, सदा ऐसा मित्र बनाना चाहिए जो-
(क) हमारा गलत मार्गदर्शन न करे।
(ख) मुश्किल समय में हमारा सहारा बन सके।
(ग) हमारे धन का लोभ न रखता हो ।
(घ) दिए गए सभी ।

जवाब : 1.(ग) लोग रिश्ते-नाते बनाने के अनेक ढंग निकाल लेते हैं।
2.(क) जब तक हमारे पास अधिक धन-दौलत होती है।
3.(घ) मुश्किल के समय भी मित्र का साथ नहीं छोड़ता ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4.(ग) विपत्ति आने पर
5.(घ) दिए गए सभी ।

*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए (4 Mark)** **[8]**

42. इस दोहे में प्रेम के उदाहरण में धागे का प्रयोग ही क्यों किया गया है? क्या आप धागे के स्थान पर कोई अन्य उदाहरण सुझा सकते हैं? अपने सुझाव का कारण भी बताइए।

जवाब : कवि ने प्रेम के टूटने को धागे द्वारा दर्शाया है कि जिस प्रकार धागा एक बार टूट जाए तो उसे जोड़ने के लिए गाँठ लगानी पड़ती है। ऐसे ही प्रेम संबंधों में दरार आ जाए तो भले ही उन्हें फिर से जोड़ लिया जाए परंतु मन-मुटाव रह ही जाता है। इसे हम अन्य उदाहरणों द्वारा भी समझ सकते है जैसे-

1. नदी के जल से एक लोटा पानी ले लिया जाए तो उन्हें दोबारा नदी में मिलाया तो जा सकता है परंतु उसे उसकी सहोदर (मित्र) बूँदों से नहीं मिलाया जा सकता। ऐसे ही किसी से संबंध अगर टूट जाए तो दोबारा वैसे नहीं बन पाते।
2. एक टूटे हुए लकड़ी के डंडे को प्रयत्न करके सिल भी लिया जाए तो हम पहले की भाँति उसका प्रयोग नहीं कर सकते। हर बार ध्यान से प्रयोग करना पड़ता है।
3. एक कीमती कपड़े के फट जाने पर उसे कितना भी सिल लिया जाए लेकिन मन में उसका फटा होना खटकता ही रहता है।

43. "तरुवर फल नहिं खात हैं, सरवर पियहिँ न पान ।
कहि रहीम पर काज हित, संपति सँचहि सुजान।।"
इस दोहे में प्रकृति के माध्यम से मनुष्य के किस मानवीय गुण की बात की गई है? प्रकृति से हम और क्या-क्या सीख सकते हैं?

जवाब : प्रकृति के माध्यम से इस दोहे में मनुष्य के इस मानवीय गुण की बात की गई है कि जैसे पेड़ अपने फल नहीं खाते, सरोवर अपना जल ग्रहण नहीं करते। ऐसे ही सज्जन धन का संचय स्वयं के लिए न करके दूसरों की भलाई के लिए करते हैं। प्रकृति से हम और गुण भी सीख सकते हैं। जैसे-

- नदियों के जल की भाँति निरंतर आगे बढ़ना चाहिए।
- जिस प्रकार तपती गरमी से बचाने के लिए वृक्ष छाया देते हैं, वैसे ही दूसरों के कठिन समय में हमें उनकी मदद करनी चाहिए।
- फूलों की भाँति अपने अच्छे कार्यों की सुगंध चारों ओर बिखेरनी चाहिए।
- सूरज की भाँति अच्छे कार्य करने पर अपना नाम जग में चमकाना चाहिए।
- चाँद की चाँदनी की ठंड कला की भाँति अपने विचारों से सबको प्रभावित करना चाहिए।
- पर्वतों की भाँति अपने विचारों को दृढ़ रखना चाहिए।
- सागर की भाँति अपने हृदय को विशाल बनाना चाहिए। जीवन में अच्छी-बुरी जिन भी घटनाओं का सामना हो उन्हें गहराई से अपने अंदर समेटना चाहिए।

----- -----

Student Bro

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in